

Padma Bhushan



SMT. SUDHA MURTY

Smt. Sudha Murty, Chairperson of Murty Foundation is a renowned philanthropist & author.

2. Born on 19th August 1950, in Shiggaon, North Karnataka, Smt. Murty completed her Engineering in Electronics & Electrical Engineering from B.V.B College of Engineering & Technology, Hubli, in 1972 and received her Master's degree in Computer Science from IISc, Bangalore in 1974. She was the first woman engineer to be hired by TELCO (now Tata Motors) and has also worked as a teacher. She established the Infosys Foundation & served as its chairperson for 25 years. Currently, she is the chairperson of Murty Foundation, a not-for-profit organisation dedicated to the preservation and celebration of culture, science, and knowledge systems born out of India. She is on the advisory board of PM Cares Fund. She is also the recipient of nine honorary doctorates from universities across India, including IIT Kanpur. She is serving on several boards like IIT Kanpur, Kharagpur, IIM Kolkata, National Book Trust and others.

3. Smt. Murty has successfully initiated and anchored several projects across India in the fields of healthcare, education, art & culture, animal welfare, women's empowerment, and public hygiene. One of Smt. Murty's foremost contributions towards the empowerment of women has been her extensive work with the devadasi community that helped rehabilitate 3000 devadasis, providing them with financial independence through sustainable livelihoods. She has supported relief efforts during 16 natural disasters, built more than 70,000 libraries in Karnataka, and constructed 15,000 toilets and 5 Dharmshalas. She has provided grants to universities for research, individuals for education & financial aid, supported training programs for teachers & vocation skill building, sponsored mid-day meals to feed thousands of individuals on a daily basis, supported animal welfare organizations for the well being of domestic & wild animals & conservation and restoration of Indian heritage monuments.

4. Smt. Murty is a prolific writer and has penned several bestselling books across genres from children's books to short stories, novels, technical books, and travelogues. She mainly writes in English and Kannada, but her books have been translated into all the major Indian languages and have sold over 30 lakh copies around the country. Several of her books have also been translated into Italian and Arabic. Her writings are replete with values of compassion and kindness, in keeping with our culture and heritage. As of December 2022, Smt. Murty has 248 titles to her name.

5. Smt. Sudha Murty received Padma Shri from the Government of India in 2006. She was also awarded the Rajyotsava award and the Attimabbe award for excellence in Kannada literature from the Government of Karnataka in 2000 and 2012 respectively, the Lal Bahadur Shastri National Award in 2020, the R.K. Narayan Award for Literature in 2006.



श्रीमती सुधा मूर्ती

मूर्ति फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती सुधा मूर्ती एक प्रसिद्ध समाजसेवी और लेखिका हैं।

2. 19 अगस्त, 1950 को उत्तरी कर्नाटक के शिगगाँव में जन्मी, श्रीमती मूर्ती ने 1972 में बीवीबी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी हुबली से इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की और 1974 में आईआईएससी, बेंगलूर से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स डिग्री हासिल की। वह टेल्को (अब टाटा मोटर्स) द्वारा नौकरी पर रखी जाने वाली पहली महिला इंजीनियर थीं और उन्होंने एक शिक्षक के रूप में भी काम किया है। उन्होंने इंफोसिस फाउंडेशन की स्थापना की और 25 वर्ष तक इसके अध्यक्ष के रूप में काम किया। वर्तमान में वह मूर्ति फाउंडेशन की अध्यक्ष हैं जो भारतीय संस्कृति, विज्ञान और ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के प्रति समर्पित एक गैर-लाभकारी संगठन है। वह पीएम केयर्स फंड के सलाहकार बोर्ड में हैं। उन्हें आईआईटी कानपुर सहित भारत भर के विश्वविद्यालयों से मानद डॉक्टरेट की नौ उपाधियां भी मिल चुकी हैं। वह आईआईटी कानपुर, आईआईटी खड़गपुर, आईआईएम कोलकाता, नेशनल बुक ट्रस्ट आदि के बोर्ड में अपनी सेवाएं दे रही हैं।
3. श्रीमती मूर्ती ने देश में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कला और संस्कृति, पशु कल्याण, महिला सशक्तीकरण और जन स्वच्छता के क्षेत्र में, कई परियोजनाओं की सफल शुरुआत की है और उनका संचालन किया है। महिला सशक्तीकरण की दिशा में श्रीमती मूर्ती का प्रमुख योगदान देवदासी समुदाय के साथ उनका व्यापक कार्य रहा है, जिसने 3000 देवदासियों को स्थायी आजीविका के जरिये आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करते हुए, उनके पुनर्वास में मदद की। उन्होंने 16 प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत कार्यों में मदद की, कर्नाटक में 70,000 से अधिक पुस्तकालयों, 15,000 शौचालयों और 5 धर्मशालाओं का निर्माण किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों को शोध के लिए, व्यक्तियों को शिक्षा और आर्थिक सहायता के लिए अनुदान दिया है, शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और व्यावसायिक कौशल निर्माण में सहायता की है, प्रतिदिन हजारों लोगों का पेट भरने के लिए मध्याह्न भोजन की व्यवस्था की है, घरेलू और वन्य जीवों के कल्याण के लिए पशु कल्याण संगठनों की मदद की है तथा भारतीय धरोहर से जुड़े स्मारकों के संरक्षण तथा पुनरुद्धार के लिए सहायता दी है।
4. श्रीमती मूर्ती एक प्रखर लेखिका हैं और उन्होंने बच्चों के लिए पुस्तकों से लेकर लघु कथाएं, उपन्यास, तकनीकी पुस्तकें और यात्रा वृत्तांत जैसे अनेक विषयों पर बेस्टसेलर पुस्तकें लिखी हैं। वह मुख्य रूप से अंग्रेजी और कन्नड़ में लिखती हैं लेकिन उनकी किताबों का सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में अनुवाद हुआ है और देश भर में इनकी 30 लाख से अधिक प्रतियां बिकी हैं। उनकी कई पुस्तकों का इतालवी और अरबी में भी अनुवाद हुआ है। उनका लेखन हमारी संस्कृति और धरोहर के अनुरूप करुणा और सहृदयता के मूल्यों से भरा हुआ है। श्रीमती मूर्ती दिसंबर, 2022 तक 248 पुस्तक लिख चुकी हैं।
5. श्रीमती सुधा मूर्ती को 2006 में भारत सरकार से पद्मश्री प्राप्त हुआ। उन्हें कन्नड़ साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2000 और 2012 में कर्नाटक सरकार का राज्योत्सव पुरस्कार और अत्तीमब्बे पुरस्कार भी प्रदान किया गया। उन्हें 2020 में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय पुरस्कार और 2006 में साहित्य के लिए आर.के. नारायण पुरस्कार भी दिया गया।